pib.nic.in
mod.nic.in

पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः श्रावण 02,1944
रविवारः 24 जुलाई 2022

रक्षा मंत्री ने जम्मू में 'कारगिल विजय दिवस' कार्यक्रम के अवसर पर कहा: मजबूत और आत्मविश्वासी नया भारत शत्रु को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूर्णतः तैयार

भविष्य के युद्धों को लड़ने के लिए सशस्त्र सेनाओं में संयुक्तता और 'आत्मनिर्भरता' सुनिश्चित करने की सरकार की वचनबद्धता दोहराई

"भारत को वैश्विक महाशक्ति बनाना वीर गति को प्राप्त हमारे वीर सैनिकों को उचित श्रद्धांजलि होगी"

अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से जम्मू एवं कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं के लिए आशा का एक नया सवेरा आया है: श्री राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 24 जुलाई 2022 को जम्मू में 'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा, "भारत एक मजबूत और आत्मविश्वासी राष्ट्र बन गया है जो बुरी नजर रखने वालों से अपने लोगों की सुरक्षा करने के लिए पूर्णतः तैयार है।" स्वतंत्रता के बाद से राष्ट्र की सेवा में अपने जीवन का बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और सशस्त्र सेनाओं के कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह उनके मूल्यों के मूल में राष्ट्रीय गौरव की भावना थी जो भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करती है। उन्होंने बल देकर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का एकमात्र उद्देश्य राष्ट्र के हितों की रक्षा करना है और इसने एक स्वावलंबी रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए कई कदम उठाए हैं जो सशस्त्र सेनाओं को भविष्य के सभी प्रकार के युद्धों से लड़ने के लिए स्वदेशी अत्याधुनिक हथियार/उपकरण उपलब्ध कराता है।

रक्षा मंत्री ने कहा, "हमारी प्राथमिकता रक्षा के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' को प्राप्त करना है क्योंकि यह राष्ट्र की सुरक्षा और संरक्षा के लिए एक मजबूत सुरक्षा व्यवस्था विकसित करने के लिए महत्वपर्ण है। इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए रक्षा बजट का 68% घरेलू स्रोतों से रक्षा उपकरणों की खरीद के लिए निर्धारित किया गया है। एक शुद्ध आयातक से, हम अब एक शुद्ध निर्यातक बन गए हैं जो न केवल हमारी अपनी जरूरतों को पूरा कर रहा है, बल्कि 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' परिकल्पना के अनुरूप हमारे मित्र देशों की आवश्यकताओं को भी पूरा कर रहा है। सरकार द्वारा हाल ही में किए गए उपायों के कारण भारत आज रक्षा मदों में दुनिया के शीर्ष 25 निर्यातकों में से एक है। हमने 2025 तक 35,000 करोड़ रुपये के निर्यात को हासिल करने और आने वाले समय में शीर्ष निर्यातक बनने का लक्ष्य रखा है। हमारा लक्ष्य भारत को वैश्विक महाशक्ति बनाना है। यह हमारे वीर गति को प्राप्त वीर

सैनिकों के लिए एक उचित श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने एक ऐसे भारत का सपना देखते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया जो मजबूत, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विजयी हो"।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के सामने आई कई चुनौतियों पर अपने विचार साझा करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 1948, 1962, 1965, 1971 और 1999 के युद्धों के दौरान जब दुश्मनों ने बुरी नजर डालने की कोशिश की जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख का पूरा क्षेत्र 'मुख्य युद्ध थियेटर' बन गया था लेकिन साहसी भारतीय सैनिकों ने उनकी योजनाओं को विफल कर दिया। उन्होंने 1948 में ब्रिगेडियर उस्मान और मेजर सोमनाथ शर्मा के साहसी कार्यों के बारे में बात की; 1962 में मेजर शैतान सिंह की वीरता; 1971 के युद्ध में भारत की ऐतिहासिक जीत और कारगिल के वीर योद्धा कैप्टन विक्रम बत्रा और कैप्टन मनोज पांडे का योगदान जिन्होंने भारत की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया और लोगों, विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणा बने रहे। उन्होंने गलवान घाटी की घटना के दौरान अदम्य साहस का प्रदर्शन करने वाले भारतीय सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की और यह सुनिश्चित किया कि भारतीय तिरंगा ऊंची उड़ान भरता रहे।

“1965 और 1971 के प्रत्यक्ष युद्धों में हार का सामना करने के बाद, पाकिस्तान ने छद्म युद्ध का रास्ता अपनाया। दो दशकों से अधिक समय से, इसने 'ब्लीड इंडिया विद थाउजेंड कट्स' की कोशिश की है। लेकिन, बार-बार, हमारे साहसी सैनिकों ने दिखाया है कि कोई भी भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बाधित नहीं कर सकता है," रक्षा मंत्री ने राष्ट्र को आश्वासन दिया कि सशस्त्र सेनाएं भविष्य की सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं।

श्री राजनाथ सिंह ने कई चुनौतियों और अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद कारगिल युद्ध के दौरान सशस्त्र सेनाओं के जवानों के प्रति उनके नेतृत्व और उत्तम साहस के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को याद किया। उन्होंने इस जीत को तीनों सेनाओं के बीच संयुक्तता और सरकार के साथ उनके समन्वय का एक प्रमुख उदाहरण बताया जिसने परीक्षा की घड़ी में राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा की। उन्होंने कहा, “कारगिल युद्ध ने रक्षा क्षेत्र में संयुक्तता और आत्मनिर्भरता हासिल करने की सख्त जरूरत को रेखांकित किया। हमारा प्रयास रहा है कि हम भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने के लिए इन विशेषताओं को प्राप्त करें। संयुक्त थिएटर कमानों की स्थापना और रक्षा में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए सुधार इस दिशा में उठाए गए कदम हैं।"

श्री राजनाथ सिंह ने जम्मू एवं कश्मीर के लोगों द्वारा सशस्त्र सेनाओं को दिए गए समर्थन का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जम्मू एवं कश्मीर हमेशा भारत का अभिन्न अंग रहेगा और सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि देश के बाकी हिस्सों की तरह केन्द्र शासित प्रदेश भी प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुए। अनुच्छेद 370 को एक कृत्रिम कानूनी बाधा करार देते हुए उन्होंने बल देकर कहा कि इसे निरस्त करने से जम्मू एवं कश्मीर के लोगों, विशेष रूप से युवाओं के सपनों और आकांक्षाओं के लिए आशा की एक नई किरण आई। उन्होंने कहा कि इस निर्णय ने लोगों के कल्याण के लिए नए रास्ते खोले और केंद्र शासित प्रदेश अब बहुत तेजी से प्रगति कर रहा है।

पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) और गिलगिट-बाल्टिस्तान पर रक्षा मंत्री ने कहा कि इन इलाकों पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है और इसे मुक्त करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से भारत की संसद में पारित किया गया है। इस अवसर पर परमवीर चक्र से सम्मानित कैप्टन बाना सिंह सहित सेवारत सशस्त्र बलों के कर्मियों के साथ-साथ पूर्व सैनिक भी उपस्थित थे।

एबीबी/डीएस